8. निम्न काव्य पंक्तियों को 6–7 पंक्तियों में समझाइये :

पुणु उच्चकहाणी णिसुणि पुत्त।

जासु ण धारणु धेउ ण वि जासु ण जंतु ण मंतु॥

9. गाहा छन्द का लक्षण एवं उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

Section–C **2×20=40**

(Long Answer Type Questions)

Note :– Answer any *two* questions. You have to delimit your each answer maximum up to **500** words. Each question carries 20 marks.

खण्ड—स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10. पउमचरिउ के आधार पर रामकथा के वैलक्षण्य की चर्चा कीजिए।

11. ''करकण्डुचरिउ भारतीय सभ्यता, संस्कृति एवं लोकजीवन का अनुपम भण्डार है।'' इस वाक्य की सोदाहरण विशद समीक्षा कीजिए।

12. उपदेशात्मक काव्य परम्परा के रूप में हेमचन्द्र के दोहों की प्रासंगिकता पर एक लेख लिखिए।

13. परमात्मप्रकाश ग्रन्थ में निहित रहस्यवाद का वर्णन कीजिए।

304

CAL–02

June – Examination 2020

Certificate in Apabhransha Language Examination

(अपभ्रंश भाषा में प्रमाण-पत्र)

अपभ्रंश काव्य, छन्द एवं अलंकार (मात्रिक)

Paper : CAL-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Note :– The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answer as per the given instruction.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section–A **10×2=20**

(Very Short Answer Type Questions)

Note :– Answer all questions. As per the nature of the question you delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 2 marks.

खण्ड—अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

(अनिवार्य)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) कलिकालसर्वज्ञ किसे कहा जाता है ?

   (ii) हेमचन्द्र की माता का नाम क्या था ?

   निम्नलिखित गाथाओं को पूरा कीजिए :

   (iii) अप्पा ..... भाउ॥

   (iv) जासु ण ..... // ण माणु।

   (v) दुरहु हुंति तेण णियच्छिय ..... हक्क दिंत आवंत वि पेच्छिय॥

   (vi) हा-हा किं ..... वसमावत्थहिँ पत्तउ॥

   (vii) अपभ्रंश भाषा के किसी चरित काव्य का नाम लिखिए।

   (viii) योगीन्दु का काल बताइए।

   (ix) णायकुमारचरिउ के प्रणेता कौन हैं ?

   (x) विद्याधरकाण्ड में कुल कितनी सन्धियाँ हैं ?

Section–B 4×10=40

(Short Answer Type Questions)

Note :– Answer any *four* questions. Each answer should not exceed **200** words. Each question carries 10 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2. निम्नलिखित गाथाओं में से किसी **एक** का हिन्दी में अनुवाद एवं व्याकरणिक विश्लेषण लिखिए :

   (अ) सन्ता भोग जु परिहरइ तसु कन्तहो बलि कीसु।
   तसु दइवेण वि मुण्डियउं जसु खल्लिहडउ सीसु॥

   (ब) दुज्जणु सुहियउ होउ जगि सुयणु पयासिउ जेण।
   अमिउ विसें वासरु तमिण जिम मरगउ कच्चेण॥

3. सुदसंण्णचरिउ की कथा को संक्षेप में समझाइए।

4. कवि रइधू का सामान्य परिचय लिखिए।

5. निम्नलिखित गाथाओं का हिन्दी में अनुवाद एवं व्याकरणिक विश्लेषण लिखिए :

   (अ) सुलहउ पायालएँ णायणाहु
   सुलहउ कामाउरें विरहडाहु॥

   (ब) चिन्तावण्णु णराहिउ जावें हिँ
   वलु णिय-णिलउ पराइउ तावें हिँ॥

6. पउमचरिउ के आधार पर सीता के विद्रोहिणी पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

7. विभावना अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण दीजिए।